वाल्यूम 01 » पत्रिका अंक 06

KAIROS

बड्स

बच्चों के लिए एक कार्थलिक पत्रिका

भारत, संयुक्त राज्य, मध्य पूर्व और हिन्दी संस्करण

छोटे काम भी मायने रखते हैं

इस अंक में

खाली कब्र: ईश्वर के प्रेम का अद्भुत रहस्य

द ग्रीन एम्बर

इस अंक में

कार्टून

08 येसु का पुनरुत्थान
12 संत बार्तोलो लॉन्गो – भाग 2
26 एक दुविधा

32

एक्टिविटी

15 बाइबिल सुलेख
16 रंग भरिये
18 पवित्र हृदय का छोटा प्रार्थना-स्थल
20 जीवन का वचन
31 पहेली
34 पेंतेकोस्त : देखो और ढूंढो
22 आसान गाँठदार रोज़री ब्रेसलेट

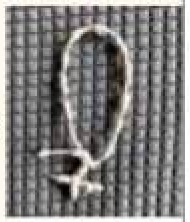

कूल काथलिक

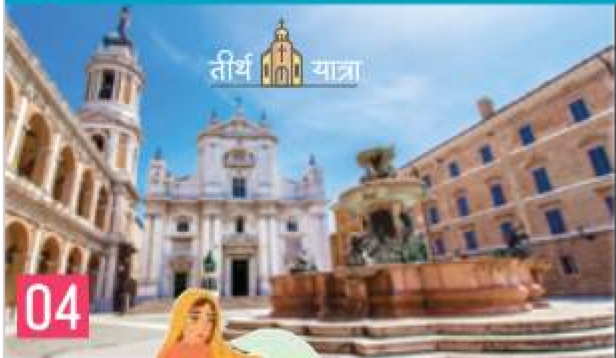

04
06 खमीर का दृष्टांत

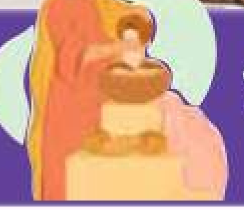

10 यूखरिस्त को समझें: पवित्र मिस्सा के अंग – भाग 6
24 खाली कब्र: ईश्वर के प्रेम का अद्भुत रहस्य

30 किड कैथोपीडिया
काथलिक विश्वकोश बच्चों के लिए
धन्य घोषित करना
35 होली ह्यूमर

स्मार्ट किड्स

14 मेरी कहानी
21 मेरा कैनवास
28 द ग्रीन एम्बर

बड्स

PATRON
Major Archbishop Mar Raphael Thattil
(Ecclesiastical Advisor, Jesus Youth International)

SPIRITUAL DIRECTOR
Fr Joseph Ezhumayil
(Jesus Youth International Chaplain)

PRINTER AND PUBLISHER
Dr Edward Edezhath

EXECUTIVE DIRECTOR
Dr Midhun Paul
(Jesus Youth International Coordinator)

DIRECTOR, KAIROS MEDIA
Dr Chackochan J Njavallil

EDITOR-IN-CHIEF
Nobin Jose

MANAGING EDITOR
Joshy Joseph, Houston, USA

EXECUTIVE EDITOR
Tania Rose Josan | (editor.buds@jykairosmedia.org)

ISSUE EDITORS
Roy P Devasia | Shibi Mathew | Srishti Bilung | Justin Jatwar | Pratibha Ekka

CIRCULATION COORDINATOR
Anto Puthur, Cochin, India +91 96055 11644

ASSOCIATE CIRCULATION COORDINATORS
AUSTRALIA Mintu Vijoy, Melbourne +61 452 538 785
BAHRAIN: Neenu Maria Jibin +973 33715472
BANGLADESH Tias Victor Palma +880 1717-152023
CAMBODIA Sophearong Ravy, Phnom Penh +855 96 426 5472
CANADA Abhilesh Thomas +1 289 952 1785
EAST TIMOR Noevia Maia Amaral +670 7625 5967
GERMANY Anna Paul, Berlin +49 176 83495451
INDIA Austin Michael, Mangalore +91 8277405251
IRELAND Suresh V Joy +353 87 963 0904
ISRAEL Darees Augustine +972 52 441 5530
ITALY Anoop P Varghese +39 3884256258
KUWAIT Rajeev J Chacko, Ahmadi +965 66388310
MALAYSIA Sweety Kamala Prasad +60 162568139
NETHERLANDS Jojo Varghese, Utrecht +31 684974552
NEW ZEALAND Derick Daniel, Auckland +64 29 127 0650
OMAN Sanal +968 92120376
PAKISTAN Asif Emmanuel +92 3022534254
QATAR Sijo C Johny +974 3357 2544
SINGAPORE Savio Francies +65 9021 9798
SRILANKA Sonal Fernando +94 77 3818399
SWITZERLAND Anu Jose +41 799177100
THAILAND Vineeth Andrew +66 86 372 6601
UAE Nelson Varghese +971 50 815 0050
UGANDA Mboowa Ronald +256 706844152
UK Mathachen Maduckakuzhy +44 7969 365686
USA Denny Joseph +1 (832) 640-3106

FINANCE COORDINATOR
Leena Shaju, Cochin, India | +91 62382 79115 | finance@jykairosmedia.org

DESIGN
Manna Media Hub, Delhi, India | info@mannamediahub.com

PRINTER
SR Graphics, Kottayam, India | srgktm@gmail.com

MAILING ADDRESS
Kairos Media USA
3010 Mason Grove Ln
Pearland, TX,
USA. 77584
+1 832 592 3675

Kairos Media India
No 8/174, Navodaya
Studio Complex,
Thengod P.O,
Cochin, Kerala,
India. Pin: 682030
+91 9895711718

Kairos Media UK
St Charles Street,
Sheffield S9 3WU,
United Kingdom
+44 7969365686

To subscribe to this magazine scan QR code or visit www.jykairosmedia.org

DISCLAIMER: Kairos Media is the mass media initiative of Jesus Youth, an international Catholic movement approved by the Holy See. Kairos Media considers its sources reliable and verifies as much data as possible. However, reporting inaccuracies can occur. Consequently, readers using this information do so at their own risk. While every effort has been made to ensure that information is correct at the time of print, Kairos Media cannot be held responsible for the outcome of any action or decision based on the information contained in this publication/website. The publishers or authors do not give any warranty for the completeness or accuracy of this publications' content, explanation, or opinion. Although persons and ministries mentioned herein are believed to be reputable, neither Kairos Media nor any of its employees, sales agents, or contributors accept any responsibility whatsoever for such persons and ministries activities. No part of this publication and/ or website may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted in any form without prior written permission from Kairos Media. Permission is only deemed valid if approval is in writing.

@kairosbuds
@kairosbuds
@kairosbuds

ईश्वर हमें कभी नहीं भूलते

प्यारे नन्हे दोस्तों,
क्या आपने कभी किसी बात के लिए प्रार्थना की है और सोचा है कि येसु उत्तर देने में इतनी देर क्यों कर रहे हैं?
जीसस यूथ में मेरा एक अच्छा मित्र अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद लगभग दो वर्षों तक नौकरी की तलाश कर रहा था। उसी समय उसके पैर में चोट लग गई और उसे सर्जरी करवानी पड़ी। उस समय उसके जीवन में डर, इंतज़ार और अनिश्चितता थी। लेकिन उन कठिन दिनों में भी उसने प्रार्थना करना, प्रतिदिन पवित्र मिस्सा में जाना और येसु पर भरोसा रखना नहीं छोड़ा। बहुत से लोगों ने उसके लिए प्रार्थना की — यहाँ तक कि बच्चों ने भी!

धीरे-धीरे उसने एक बहुत महत्वपूर्ण बात सीखी: जब ईश्वर हमें प्रतीक्षा करवाते हैं, तो इसका मतलब यह नहीं कि वे हमें भूल गए हैं। कभी-कभी वे हमारे लिए कुछ और अच्छा तैयार कर रहे होते हैं। इंतज़ार के दौरान उसका विश्वास और भी मजबूत हुआ और वह येसु के और करीब आ गया। फिर सही समय पर ईश्वर ने उसे केवल एक नहीं, बल्कि कई नौकरी के अवसरों से आशीषित किया। प्रार्थना करने के बाद उसने वही चुना जिससे उसके हृदय को शांति मिली।

बाइबिल हमें याद दिलाती है:
"क्योंकि मैं तुम्हारे लिए निर्धारित अपनी योजनाएँ जानता .... तुम्हारे हित की योजनाएँ, अहित की नहीं, तुम्हारे लिए आशामय भविष्य की योजनाएँ।" (यिरमियाह 29:11)

प्यारे बच्चों, यदि आपकी प्रार्थनाओं का उत्तर तुरंत नहीं मिलता, तो उदास मत होइए। प्रार्थना करते रहिए, भरोसा रखिए और मुस्कुराते रहिए।

येसु अपने बच्चों को कभी नहीं छोड़ते। अपने सही समय पर, वे हमेशा हमारे लिए कुछ सुंदर तैयार करते हैं।
येसु प्रेम करते हैं,

नोबिन जोस
मुख्य संपादक
nobin.jose@jykairosmedia.org

बेसलिकि डेला संत कासा, लोरेटो, इटली

- जेसा रोज़ जॉन » 13 वर्ष

कभी एक छोटा-सा घर रहा, यह पवित्र स्थान आज प्रतिवर्ष लाखों श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है और इटली के सबसे प्रसिद्ध तीर्थस्थलों में से एक माना जाता है। Basilica della Santa Casa न केवल अपनी भव्यता के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि यह भी माना जाता है कि यही वह स्थान है जहाँ पवित्र कुँवारी मरियम ने अपना बचपन बिताया और जहाँ स्वर्गदूत गब्रिएल ने मरियम को यह शुभ समाचार दिया कि वे ईश्वर की माता बनने वाली हैं।

दीर्घकालिक कैथोलिक परंपरा के अनुसार, लगभग 13वीं शताब्दी में जब पवित्र भूमि संकट में थी, तब स्वर्गदूतों ने इस पवित्र घर को नाज़रेथ से लोरेटो पहुँचा दिया। इस विश्वास को प्रारंभिक धार्मिक लेखनों तथा संतों की रचनाओं में भी समर्थन प्राप्त है। कई पोप, जिनमें पोप जॉन पॉल द्वितीय भी शामिल हैं, इसने इस तीर्थस्थल को गहन मरियम भक्ति के केंद्र के रूप में मान्यता दी है। यह वही पवित्र घर माना जाता है जहाँ पवित्र परिवार ने निवास किया और जहाँ मरियम ने अपने विशिष्ट दिव्य बुलावे को स्वीकार किया।

लगभग 15वीं शताब्दी में इस पवित्र घर की रक्षा और सम्मान हेतु एक भव्य बेसिलिका का निर्माण किया गया। कांस्य द्वारों से प्रवेश करते ही श्रद्धालु एक अद्भुत गिरजाघर में पहुँचते हैं, जो सफेद, पीले, लाल और नीले रंगों की सुंदर सजावट से अलंकृत है। इसके बीच में वेदी स्थित है, और उसके पीछे वह छोटा, साधारण घर खड़ा है, जिसकी तीन मूल दीवारें आज भी सुरक्षित हैं। यह दृश्य मरियम की विनम्रता और ईश्वर के प्रति उनके पूर्ण "हाँ" की याद दिलाता है।

बेसिलिका के चारों ओर स्थित प्रार्थनालय (चैपल) पवित्र कला से सुसज्जित हैं, जहाँ मसीह और धन्य माता के जीवन के विभिन्न दृश्य दर्शाए गए हैं। यहाँ संत यूसुफ को समर्पित एक वेदी तथा परमप्रसाद के लिए समर्पित दूसरी वेदी भी है, जो तीर्थयात्रियों को प्रार्थना और आत्मचिंतन के लिए आमंत्रित करती है। बेसिलिका में प्रदर्शित शुभ सूचना (Annunciation), प्रभु जन्म (Nativity), और क्रूसारोपण (Crucifixion) के दृश्य तीर्थयात्रियों को उद्धार के इतिहास पर मनन करने में सहायता करते हैं। यह पवित्र स्थान न केवल विस्मय उत्पन्न करता है, बल्कि श्रद्धालुओं को मरियम के साथ गहरे आध्यात्मिक संबंध में प्रवेश करने के लिए प्रेरित करता है, ताकि वे भी उनकी तरह ईश्वर की योजना पर पूर्ण विश्वास रख सकें।

बेसिलिका में प्रदर्शित शुभ सूचना, प्रभु जन्म, और क्रूसारोपण के दृश्य तीर्थयात्रियों को उद्धार के इतिहास पर मनन करने में सहायता करते हैं।

खमीर का दृष्टांत

मत्ती 13:33

जेनिफर लोबो

खमीर का दृष्टांत येसु के सबसे छोटे दृष्टांतों में से एक माना जाता है, और यह हमें समझाता है कि छोटी-छोटी बातें भी बड़ा फर्क ला सकती हैं। एक स्त्री थोड़े से खमीर को बहुत सारे आटे में मिलाकर आटा गूँथती है। भले ही खमीर थोड़ा होता है, लेकिन वह धीरे-धीरे पूरे आटे में फैल जाता है और उसे फूलाकर बड़ा कर देता है।

येसु इस दृष्टांत के द्वारा समझाते हैं कि भलाई, प्रेम और विश्वास हमारे जीवन में कैसे कार्य करते हैं। हर एक अच्छा काम—जैसे किसी दोस्त की मदद करना, अपने खिलौने बाँटना, अपने माता-पिता की बात मानना, या किसी उदास व्यक्ति के साथ दयालु होना—बहुत बड़ा परिवर्तन ला सकता है।

जिस प्रकार खमीर पूरे आटे में फैल जाता है, उसी तरह आपके अच्छे काम भी दूसरों तक फैल सकते हैं। जब आप दयालु होते हैं, तो किसी को खुशी मिलती है, और वह भी किसी और के साथ अच्छा व्यवहार करने का निर्णय ले सकता है। इस तरह एक छोटा-सा कार्य भी बहुत बड़ा बन सकता है, जैसे आटा फूल जाता है।

यह दृष्टांत हमें धैर्य भी सिखाता है। जब आटे में खमीर मिलाया जाता है, तो वह तुरंत नहीं फूलता—उसमें समय लगता है। उसी तरह आपके अच्छे कामों का परिणाम तुरंत नहीं दिखता, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि कुछ हो नहीं रहा है। भलाई धीरे-धीरे बढ़ती है।

क्या आपको लगता है कि आप बहुत छोटे हैं और कोई बदलाव नहीं ला सकते? खमीर का यह दृष्टांत हमें याद दिलाता है कि हमारे छोटे-छोटे काम भी महत्वपूर्ण हैं। दुनिया को बेहतर बनाने के लिए आपको बहुत बड़े या अद्भुत काम करने की जरूरत नहीं है। साधारण काम—जैसे धन्यवाद कहना, घर में मदद करना—भी बड़ा फर्क लाते हैं।

इसलिए आइए, हम हर दिन दयालु और अच्छे बनने का चुनाव करें, और ऐसा करके हम अपने प्रभु को प्रसन्न करें।

येसु का पुनरुत्थान
(संत लूकस 24:1-12)

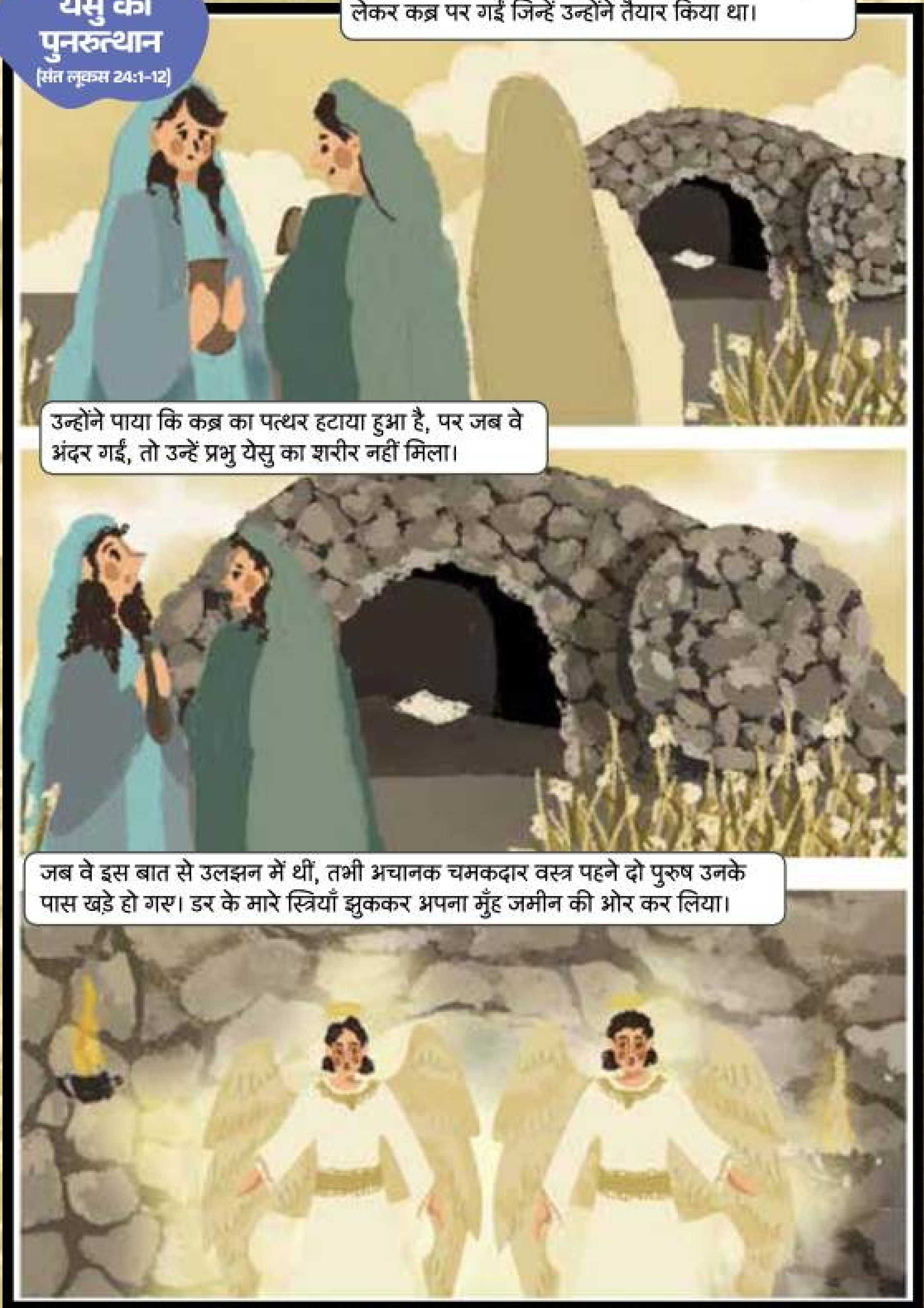

- सिस्टर सुमा थॉमस CSM - चित्रांकन: सूसन्ना जैक्सन

यूखरिस्त को समझें:

पवित्र मिस्सा के अंग – भाग 6

- फा. जस्टिन जोसेफ पनाचिक्कल एम एस एफ एस

अगर आप क्रिकेट या फुटबॉल का मैच उसके नियम जाने बिना देखें, तो आपको जल्दी बोरियत होगी। लेकिन जब आप नियम, रणनीति, टीम की ताकत और कमजोरी समझते हैं, तो आपका जुड़ाव और उत्साह बढ़ जाता है।

अब हम "कलेक्ट" के भाग पर आते हैं, जहाँ याजक सबको प्रार्थना के लिए बुलाता है और कहता है, "आइए प्रार्थना करें।" इसके बाद थोड़ी देर का मौन होता है, ताकि हम ईश्वर की उपस्थिति को महसूस कर सकें और अपनी-अपनी प्रार्थनाओं को मन में ला सकें।

"कलेक्ट" उस दिन की सभी प्रार्थनाओं और अर्पणों को एक साथ जोड़कर ईश्वर के सामने प्रस्तुत करता है।

मिस्सा के दौरान जब याजक प्रार्थना करता है, तो वह अपने हाथ फैलाकर खड़ा होता है, जिसे "ओरांस" (Orans) स्थिति कहा जाता है, यानी प्रार्थना की मुद्रा। यह तरीका हमारे यहूदी पूर्वजों द्वारा भी अपनाया जाता था और बाद में ईसाई प्रार्थना में शामिल हुआ। ईसाई लेखक टर्टुलियन बताते हैं कि मसीहियों ने अपने हाथों को इस तरह उठाया कि वे क्रूस पर प्रभु येसु के हाथों जैसे दिखाई दें।(बेलमोंटे, मिस्सा को समझना, पृष्ठ 65) मिस्सा में याजक इस संकेत से दिखाता है कि हम सब मिलकर प्रार्थना कर रहे हैं; वह हमारी सभी प्रार्थनाओं को इकट्ठा करके परमपिता को अर्पित करता है।

नमस्ते दोस्तों,
आप सभी को पेंतेकोस्त की हार्दिक शुभकामनाएँ और आशीष!

क्या आप सोच रहे हैं कि मिस्सा से जुड़ी इतनी सारी बातों को कैसे समझा जाए? इसका उद्देश्य आपको डराना नहीं है, बल्कि यह समझाना है कि पवित्र मिस्सा में क्या हो रहा है। जिस चीज़ को हम समझते हैं, उसमें हम बेहतर भाग लेते हैं और उसका आनंद भी ज़्यादा लेते हैं।

तो हमें यहाँ क्या करना चाहिए?

जब भी याजक प्रार्थना करे, हमें उसके शब्दों पर ध्यान देना चाहिए और अपने मन में उसके साथ प्रार्थना करनी चाहिए।

यहाँ एक छोटी सी बात—हम अक्सर "आमेन" शब्द का उपयोग करते हैं। इसे ज़ोर से और विश्वास के साथ कहना अच्छा और ज़रूरी है। यह एक इब्रानी शब्द है, जिसका अर्थ है "ऐसा ही हो" या "निस्संदेह ऐसा ही हो।" "आमेन" उस बात की हमारी स्वीकृति है जो हमारे नाम से कही गई है, और यह मिस्सा में हमारी सक्रिय भागीदारी को दर्शाता है।

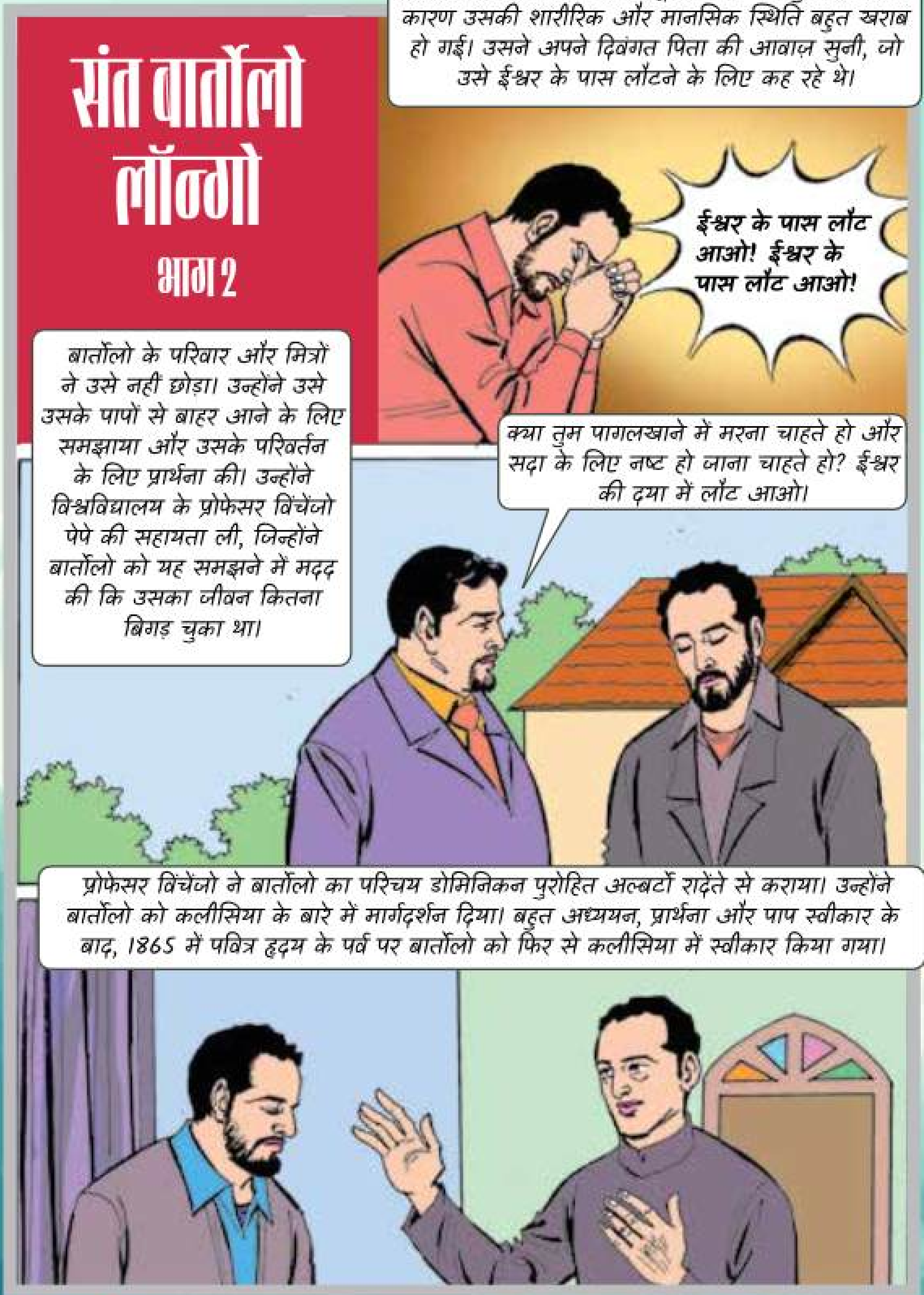
संत बार्तोलो लॉन्गो
भाग 2
बार्तोलो एक शैतानी पुजारी बन गया था और पूरी तरह ईश्वर और कलीसिया के विरुद्ध हो गया था। दुष्ट प्रभाव के कारण उसकी शारीरिक और मानसिक स्थिति बहुत खराब हो गई। उसने अपने दिवंगत पिता की आवाज़ सुनी, जो उसे ईश्वर के पास लौटने के लिए कह रहे थे।
ईश्वर के पास लौट आओ! ईश्वर के पास लौट आओ!
बार्तोलो के परिवार और मित्रों ने उसे नहीं छोड़ा। उन्होंने उसे उसके पापों से बाहर आने के लिए समझाया और उसके परिवर्तन के लिए प्रार्थना की। उन्होंने विश्वविद्यालय के प्रोफेसर विंचेंजो पेपे की सहायता ली, जिन्होंने बार्तोलो को यह समझने में मदद की कि उसका जीवन कितना बिगड़ चुका था।
क्या तुम पागलखाने में मरना चाहते हो और सदा के लिए नष्ट हो जाना चाहते हो? ईश्वर की दया में लौट आओ।
प्रोफेसर विंचेंजो ने बार्तोलो का परिचय डोमिनिकन पुरोहित अल्बर्टो राद्रेते से कराया। उन्होंने बार्तोलो को कलीसिया के बारे में मार्गदर्शन दिया। बहुत अध्ययन, प्रार्थना और पाप स्वीकार के बाद, 1865 में पवित्र हृदय के पर्व पर बार्तोलो को फिर से कलीसिया में स्वीकार किया गया।

बार्तोलो अपने पिछले कर्मों का प्रायश्चित करना चाहता था, इसलिए वह अपने पुराने स्थानों पर लौटा, लेकिन इस बार हाथ में रोजरी लेकर और अपनी गलतियों को स्वीकार करते हुए।
हे मेरे ईश्वर, मैं अपने आप को आपके हाथों में सौंपता हूँ; एक पुत्र के समान मैं अपने आप को आपके पिता-सदृश आलिंगन में छोड़ देता हूँ।
यद्यपि ईश्वर ने उसे क्षमा कर दिया था, फिर भी बार्तोलो स्वयं को क्षमा नहीं कर पा रहा था। एक शाम, पोम्पेई में उसे एक गहरा अनुभव हुआ। वह गहरी निराशा में था, तभी उसने अपने मन में माता मरियम के शब्दों की गूंज सुनी।
जो कोई रोजरी माला का प्रचार करता है, वह उद्धार पाएगा!
यदि आपके शब्द सत्य हैं कि जो आपकी रोजरी माला का प्रचार करेगा वह उद्धार पाएगा, तो मैं उद्धार प्राप्त करूँगा, क्योंकि मैं इस धरती को रोजरी माला का प्रचार किए बिना नहीं छोड़ूँगा।
जारी रहेगा...
कहानी: स्टेफी सिबी
चित्रांकन: मधु एस

जब पुरस्कार हमेशा पदक नहीं होता

- जोआन जेरो डीक्रूज 16 » वर्ष

आज खेल दिवस था और मैंने 100 मीटर दौड़ के लिए अपना नाम दर्ज कराया था। मैं पूरे सप्ताह से इस दिन का बेसब्री से इंतज़ार कर रही थी। जब हम सभी प्रारंभ रेखा पर खड़े हुए, तो मेरे जूतों के नीचे की ज़मीन गर्म महसूस हो रही थी। चारों ओर शांति थी, पर वातावरण में तनाव साफ़-साफ़ महसूस किया जा सकता था।

"ऑन योर मार्क्स..."

मैं झुक गई।

"सेट..."

मेरा दिल इतनी तेज़ी से धड़क रहा था कि उसकी आवाज़ मैं खुद सुन सकती थी।

"गो!"

और हम दौड़ पड़े।

शुरुआती कुछ क्षणों में मुझे लगा कि मैं बहुत तेज़ दौड़ रही हूँ—मानो मैं सच में आगे हूँ। लेकिन तभी मैंने अपने पीछे कदमों की आहट सुनी। फिर बगल में। फिर मेरे आगे।

जब तक मैं अंतिम छोर तक पहुँची, तब तक मुझे परिणाम का अनुमान हो चुका था।

मैं नहीं जीती।

मैं दूसरे स्थान पर भी नहीं आई।

मैं धीरे से एक ओर चली गई, यह प्रयास करते हुए कि मेरी निराशा किसी को दिखाई न दे। तभी एरोन मेरे पास आया।

"तुमने अच्छा दौड़ा," उसने कहा।

"असल में नहीं," मैंने उत्तर दिया।

वह मुस्कुराया और बोला,

"फिर भी।"

मैं घास पर बैठ गई और अगली दौड़ देखने लगी। कुछ समय बाद मुझे बाइबिल का वह वचन याद आया:

"ऐसी दौड़ दौड़ो कि पुरस्कार प्राप्त करो।"

पहले मैं सोचती थी कि इसका अर्थ केवल जीतना है।

लेकिन आज... मुझे ऐसा नहीं लगता।

क्योंकि मैंने सच में पूरी लगन से दौड़ लगाई।

मैं रुकी नहीं।

मैंने बीच में हार नहीं मानी।

और हारने के बाद भी मैं वहीं रुकी और दूसरों का उत्साहवर्धन किया।

शायद "पुरस्कार" हमेशा पदक नहीं होता।

कभी-कभी पुरस्कार यह भी होता है कि आप बिना हार माने अपनी दौड़ पूरी करें।

और मुझे लगता है...

यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

क्या आपके पास कोई विश्वास का अनुभव है जो आप इस पृष्ठ के लिए भेजना चाहते हैं ? उसे अपने पूरे नाम, उम्र और डाक पते के साथ kairosbuds@jykairosmedia.org पर भेजें।

आप इस प्रकार दौड़े कि पुरस्कार प्राप्त करें।

1 कुरिन्थियों 9:24

आप इस प्रकार दौड़े कि पुरस्कार प्राप्त करें।
आप इस प्रकार दौड़े कि पुरस्कार प्राप्त करें।
आप इस प्रकार दौड़े कि पुरस्कार प्राप्त करें।
आप इस प्रकार दौड़े कि पुरस्कार प्राप्त करें।
आप इस प्रकार दौड़े कि पुरस्कार प्राप्त करें।
आप इस प्रकार दौड़े कि पुरस्कार प्राप्त करें।
आप इस प्रकार दौड़े कि पुरस्कार प्राप्त करें।
आप इस प्रकार दौड़े कि पुरस्कार प्राप्त करें।
आप इस प्रकार दौड़े कि पुरस्कार प्राप्त करें।
आप इस प्रकार दौड़े कि पुरस्कार प्राप्त करें।
आप इस प्रकार दौड़े कि पुरस्कार प्राप्त करें।
आप इस प्रकार दौड़े कि पुरस्कार प्राप्त करें।
आप इस प्रकार दौड़े कि पुरस्कार प्राप्त करें।
आप इस प्रकार दौड़े कि पुरस्कार प्राप्त करें।

रंग भरिये

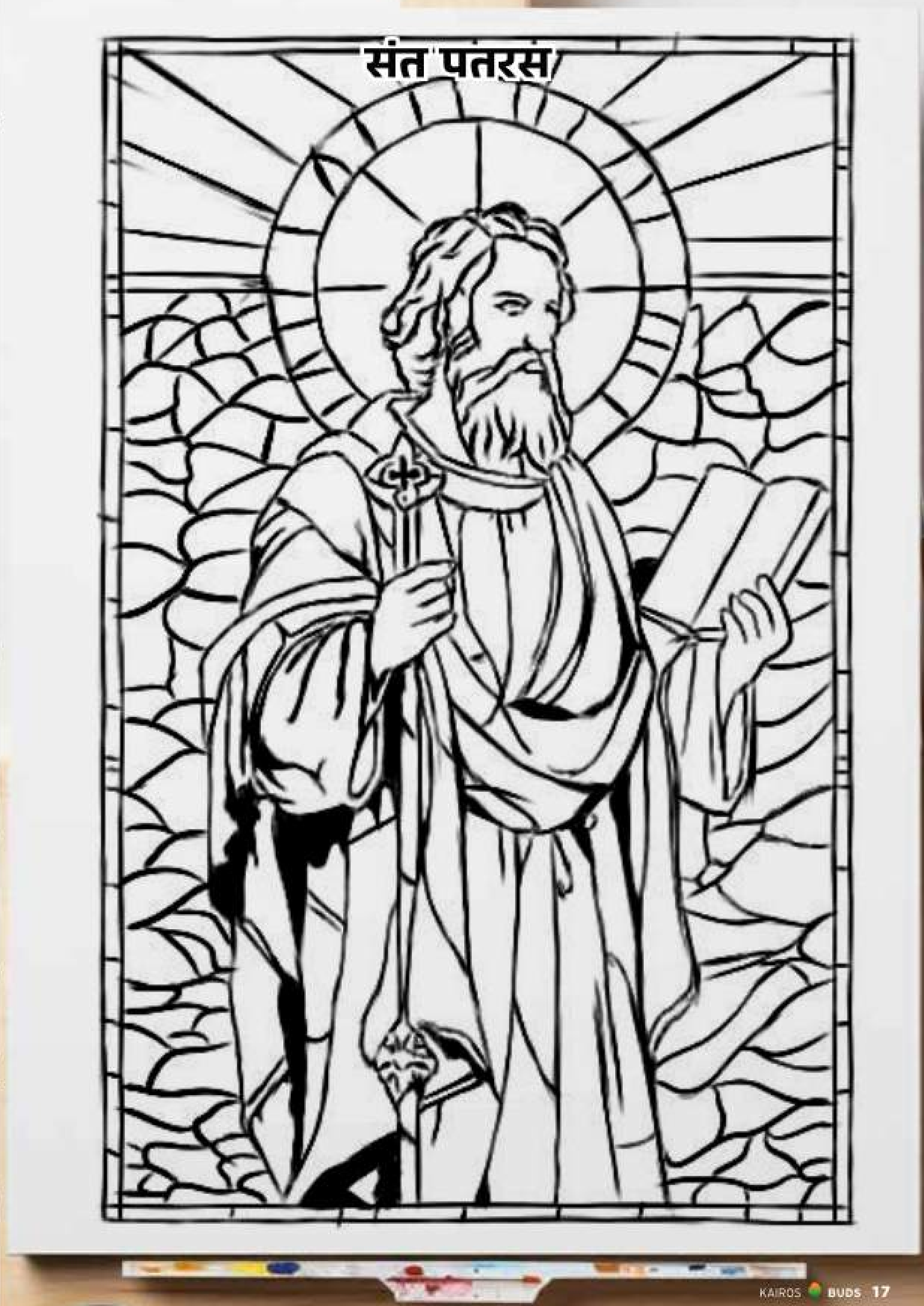

पवित्र हृदय का छोटा प्रार्थना-स्थल

काटें, मोड़ें और चिपकाएँ — और येसु के पवित्र हृदय का यह सुंदर छोटा प्रार्थना-स्थल तैयार करें।

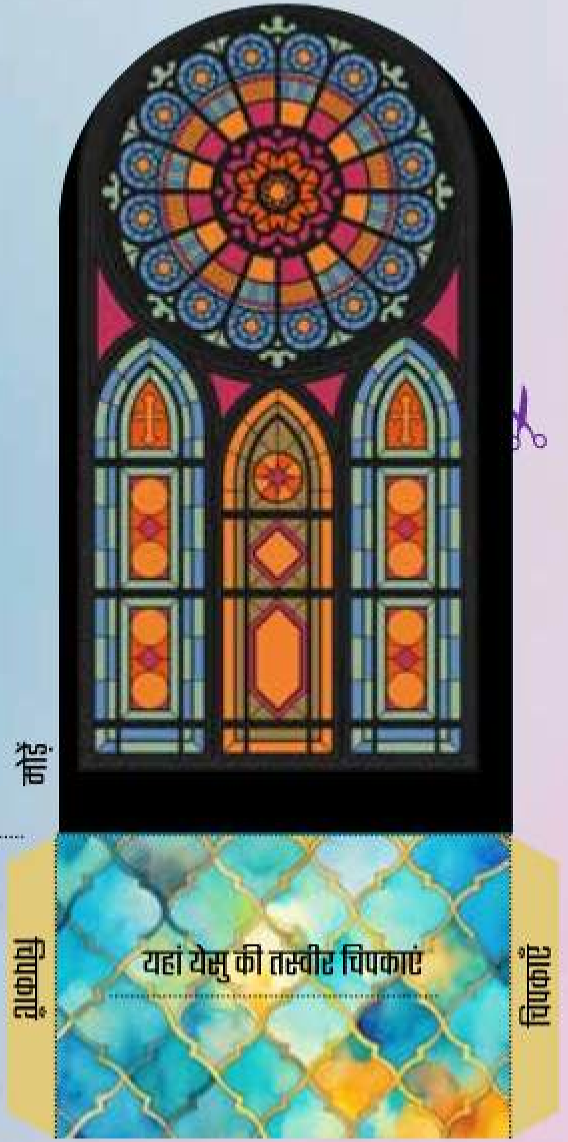

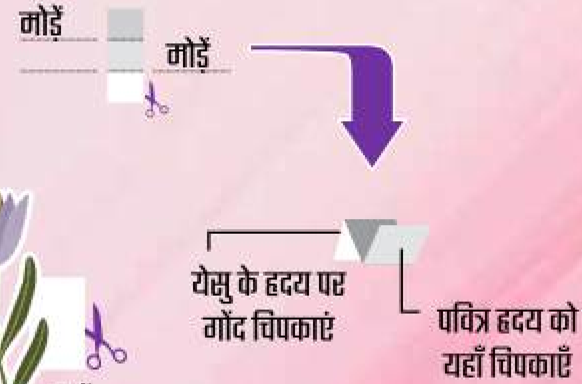

सीखें और रंग भरें

मे येसु खमीर के माध्यम से स्वर्ग के राज्य का वर्णन करते हैं,
यह बताते हुए कि कैसे थोड़ा सा विश्वास पूरे जीवन को बदल देता है।

मत्ती 13:33

मेरा कैनवास

नन्हे उस्ताद

लिया रोज़ नवीन » 9 वर्ष
» मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया

नन्हे उस्ताद

जेफर्सन नाना याफे फ्रोसूह » 12 वर्ष
» टेचीमन, घाना

नन्हे उस्ताद

सिएना जीजो » 7 वर्ष
» अबू धाबी, यूएई

बेनेडिक्ट दी ब्रेमपोंग » 10 वर्ष
» टेचीमन, घाना

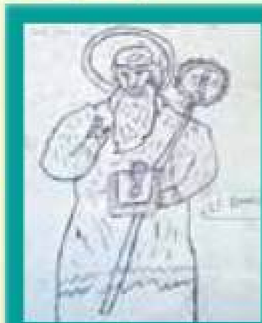

डेविड जॉन सेबेस्टियन » 7 वर्ष
» यूएई

लिएन एंटो थेक्कन » 6 वर्ष
» बेंगलुरु, भारत

मारिया इमाक्युलेटा » 13 वर्ष
» होसुर, भारत

जेरी मलाई » 7 वर्ष
» कनाडा

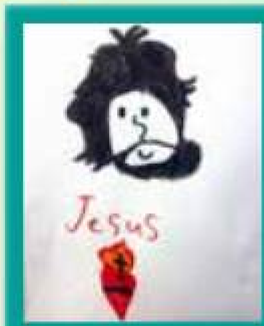

Art and articles can be sent by email to kairosbuds@jykairosmedia.org. Please include full name, age, place/country.

आसान गाँठदार रोज़री ब्रेसलेट

- रोज़ मैरी टॉम @potterandhisclay

सामग्री

- नायलॉन की डोरी (60–70 सेमी; कोई भी मोटी डोरी उपयोग की जा सकती है)
- छोटी स्ट्रॉ
- कैंची
- लाइटर या गोंद

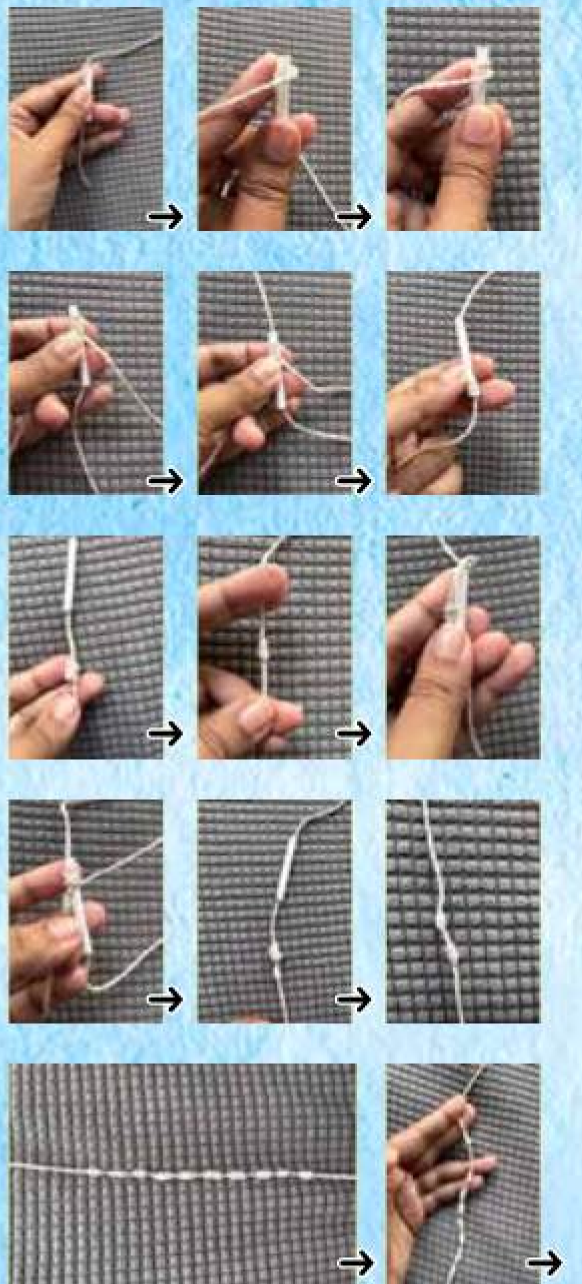

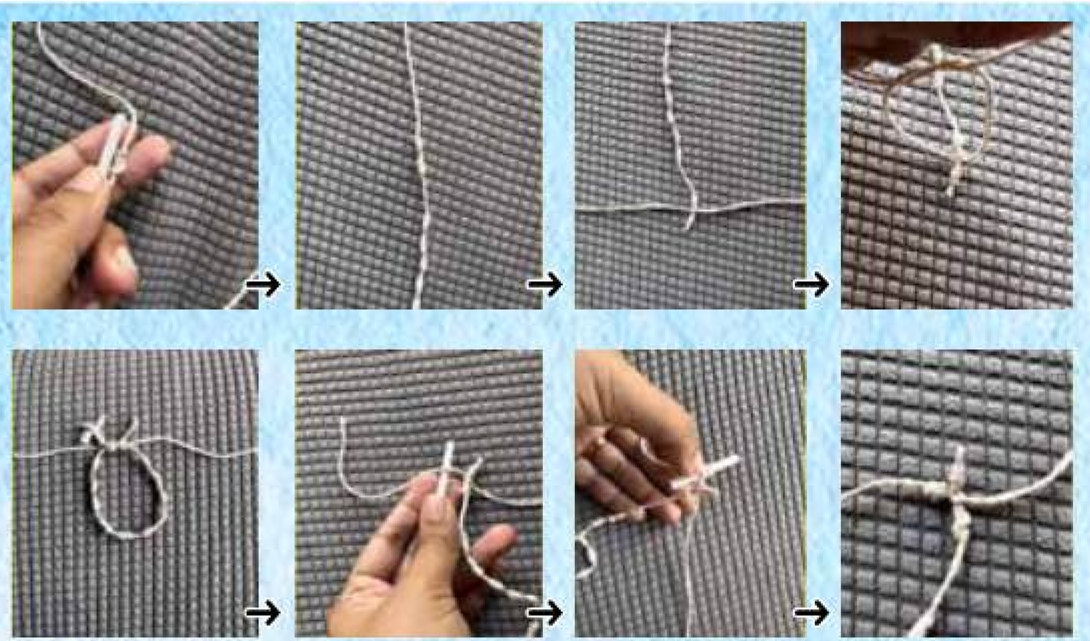

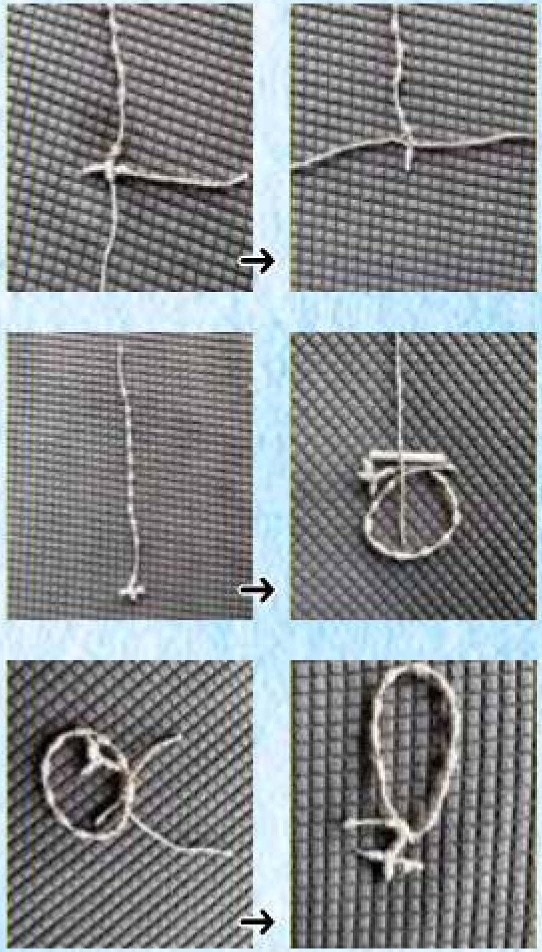

विधि

मनकों (Beads) को बनाना

1. स्ट्रॉ को सीधा रखें और डोरी को उसके साथ लगाकर रखें।
2. डोरी के लंबे सिरे को स्ट्रॉ के चारों ओर 5–6 बार ध्यान से लपेटें।
लूप्स को कसकर और एक समान रखें।
3. डोरी के कार्यशील सिरे को स्ट्रॉ की सहायता से लूप्स के बीच से निकालें।
4. दोनों सिरों को धीरे-धीरे खींचें, गाँठ को स्ट्रॉ से बाहर निकालें और कस लें।
इससे एक साफ बैरल गाँठ (रोज़री मनका) तैयार होगा।
5. यही प्रक्रिया दोहराकर 10 गाँठें बनाएँ और प्रत्येक गाँठ के बीच बराबर दूरी रखें।
अब आपके रोज़री के मनके तैयार हैं।

क्रॉस बनाना

ऊर्ध्वाधर भाग (Vertical Section)

6. अंतिम मनके से थोड़ी दूरी पर एक और गाँठ बनाएँ (लगभग 7 बार लपेटें)।
7. इसके पास एक और गाँठ बनाएँ।
अब आपके पास दो गाँठें होंगी जिनके बीच थोड़ा अंतर रहेगा।

क्षैतिज भाग (Horizontal Section)

8. डोरी का एक नया टुकड़ा लें (या आवश्यकता अनुसार दूसरी डोरी उपयोग करें)।
ऊर्ध्वाधर भाग के मध्य में एक साधारण गाँठ बाँधें।
9. एक सिरे से रोज़री मनके जैसी गाँठ बनाएँ और उसे केंद्र की ओर कसें।
दूसरे सिरे पर भी यही प्रक्रिया दोहराएँ।
10. आपका क्रॉस तैयार है।
अतिरिक्त डोरी काट दें और सिरों को लाइटर या गोंद से सुरक्षित करें।

ब्रेसलेट का क्लोज़र (Closure)

11. रोज़री के खुले सिरे पर एक गाँठ बनाएँ।
12. रोज़री को एक लूप के आकार में बनाएँ (संदर्भ अनुसार)।
स्ट्रॉ को लूप पर रखें और डोरी के दूसरे टुकड़े से सावधानीपूर्वक उसके चारों ओर गाँठ बाँधें।
इससे एक समायोज्य स्लाइडिंग गाँठ तैयार होगी।
अतिरिक्त डोरी काट दें और सिरों को सुरक्षित करें।
आपका रोज़री ब्रेसलेट तैयार है।

सुझाव

- नायलॉन की डोरी इस कार्य के लिए सर्वोत्तम रहती है।
- आप अपनी पसंद के मेडल्स भी रोज़री में जोड़ सकते हैं।

खाली कब्र:

ईश्वर के प्रेम का अद्भुत रहस्य

- डॉ. मारिया मेरिन एंटनी

ईस्टर (पास्का) की सुबह बहुत तड़के का समय था। आकाश शांत और कोमल था, जब मरियम मगदलेना और उनकी सहेलियाँ धीरे-धीरे येसु की कब्र की ओर बढ़ रही थीं। उनके हृदय दुःख से भरे हुए थे, क्योंकि केवल दो दिन पहले, गुड फ्राइडे के दिन, उन्होंने येसु को क्रूस पर मरते देखा था।

वे अपने साथ सुगंधित द्रव्य लेकर जा रही थीं ताकि येसु को सम्मान अर्पित कर सकें। चलते हुए वे सोच रही थीं, "हमारे लिए उस बड़े पत्थर को कौन हटाएगा?"

परंतु जब वे वहाँ पहुँचीं, तो आश्चर्यचकित रह गईं। पत्थर पहले ही हटाया जा चुका था।

मरियम तुरंत भीतर गईं और आश्चर्य से भर उठीं—कब्र खाली थी!

अचानक एक तेजस्वी स्वर्गदूत प्रकट हुआ और बोला,

"मत डरो। येसु यहाँ नहीं हैं। वे जी उठे हैं!"

मरियम का हृदय तेज़ी से धड़कने लगा।

क्या यह सच हो सकता है?

वे तुरंत शिष्यों को यह समाचार देने दौड़ीं।

यह सुनकर येसु के मित्र और शिष्य अत्यंत आश्चर्यचकित हुए, पर साथ ही अत्यंत आनंदित भी। येसु गुड फ्राइडे को मृत्यु को प्राप्त हुए थे, परंतु अब वे पुनः जीवित थे। यह कोई साधारण मानवीय कार्य नहीं था; यह ईश्वर के प्रेम से परिपूर्ण एक विशेष चमत्कार था।

इसीलिए हम इसे एक रहस्य कहते हैं। रहस्य वह सत्य है जो वास्तविक और सच्चा तो होता है, परंतु इतना महान और अद्भुत होता है कि हम उसे पूरी तरह समझ नहीं सकते।

रोज़री में हम येसु के जीवन की इन सुंदर घटनाओं का स्मरण करते हैं।

येसु के मृतकों में से जी उठने के दिन को प्रथम महिमामय रहस्य (First Glorious Mystery) – पुनरुत्थान – के रूप में याद किया जाता है।

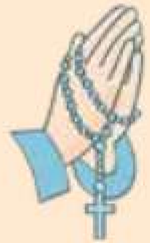

जब हम रोज़री प्रार्थना करते हैं, तो हम खाली कब्र का स्मरण करते हैं और याद करते हैं: **येसु जीवित हैं!** और उन्हीं के कारण हमें भी आशा और नया जीवन प्राप्त होता है।

इस प्रकार, हर बार जब हम प्रार्थना करते हैं, तो हम केवल शब्द नहीं दोहराते, बल्कि ईश्वर के महान प्रेम को स्मरण करते हैं।

खाली कब्र केवल एक आश्चर्य नहीं है; यह ईश्वर के प्रेम का अद्भुत रहस्य है— एक आनंदमय कथा, जिसे हम प्रतिदिन अपने हृदय में संजो सकते हैं।

एक दुविधा

कहानी: तानिया रोज़ जोसुन | चित्रांकन: स्टेफी आंद्राद फारिया

द ग्रीन एम्बर

– एस. डी. स्मिथ

ऐन सेसिलिया जॉर्ज, 11 वर्ष

"द ग्रीन एम्बर" एक रोमांचक फैंटेसी साहसिक उपन्यास है, जो महान राजाओं, विजयी युद्धों और दो खरगोशों द्वारा एक उजड़े हुए राज्य की पुनर्स्थापना की प्रेरक कथा प्रस्तुत करता है–हाँ, खरगोशों की!

यह पुस्तक पाठक को इस प्रकार अपनी ओर आकर्षित करती है कि मानो वह स्वयं कहानी का हिस्सा बन गया हो। तलवारों की टकराहट, घायल योद्धाओं की पीड़ादायक पुकारें और विजय के जयघोष पुस्तक समाप्त होने के बाद भी मन में गूँजते रहते हैं।

यह कहानी दो खरगोशों–हीदर और पिकेट–की है, जो शांत निक हॉलो से निकलकर उस योग्य व्यक्ति की खोज में यात्रा पर निकलते हैं, जो उनके राज्य का सच्चा राजा बन सके। परंतु चारों ओर अजनबी और शत्रु हैं, जिससे सहायता प्राप्त करना कठिन हो जाता है। इस यात्रा में उन्हें साहस, विश्वास और धैर्य की आवश्यकता होती है। एस. डी. स्मिथ अपनी रोमांचकारी और रहस्यपूर्ण लेखन शैली से प्रत्येक अध्याय में पाठकों को अंत तक बाँधे रखते हैं। यह उन सबसे रोमांचक साहसिक कथाओं में से एक है, जिन्हें मैंने कभी पढ़ा है।

इस पुस्तक का एक उद्धरण जिसने मुझे गहराई से प्रभावित किया, वह है:

"तुम्हारे साथ मेरा स्थान, तुम्हारे लिए मेरा रक्त, जब तक ग्रीन एम्बर उदित न हो जाए, या संसार का अंत न हो जाए।"

यह उद्धरण पहली बार तब आता है जब एक पात्र अपने मित्र को संकट से बचाते हुए यह कहता है। एस. डी. स्मिथ इन प्रभावशाली शब्दों के माध्यम से निष्ठा, करुणा और चरित्र की सुंदरता को अत्यंत सशक्त रूप में व्यक्त करते हैं।

यह उद्धरण हमें येसु मसीह की भी याद दिलाता है। यदि हम कल्पना करें कि येसु हमसे ये शब्द कह रहे हैं–

"तुम्हारे साथ मेरा स्थान" – येसु सदैव हमारे साथ हैं।

"तुम्हारे लिए मेरा रक्त" – येसु ने हमारे पापों के लिए अपना जीवन बलिदान किया।

"जब तक संसार का अंत न हो जाए" – वे हमेशा हमारी सहायता करेंगे।

यह संदेश हमें भी एक-दूसरे के प्रति ऐसी ही निष्ठा और प्रेम रखने के लिए प्रेरित करता है।

मैं इस पुस्तक की विशेष रूप से 8 वर्ष और उससे अधिक आयु के बच्चों को अत्यधिक अनुशंसा करती हूँ, जो रोमांचक साहसिक कथाओं के साथ-साथ सुंदर और प्रभावशाली वर्णनों को भी पसंद करते हैं। इस पुस्तक का एक महत्वपूर्ण संदेश यह है कि हमारा अतीत यह निर्धारित नहीं करता कि हम कौन हैं; भविष्य के लिए सदैव आशा बनी रहती है।

यह विचार मुझे घाना के प्रसिद्ध एथलीट *Emmanuel Ofosu Yeboah* की सच्ची कहानी की याद दिलाता है, जो शारीरिक विकलांगता के साथ जन्मे थे और जीवनभर अनेक कठिनाइयों का सामना किया। फिर भी उन्होंने अपनी परिस्थिति को अपनी पहचान नहीं बनने दिया और केवल एक सशक्त पैर के सहारे चार सौ मील साइकिल चलाकर अद्भुत साहस का परिचय दिया।

पुस्तक जितनी रोचक है, उसके लेखक S. D. Smith के बारे में जानना भी उतना ही प्रेरणादायक है। वे वेस्ट वर्जीनिया के वृक्षाच्छादित एपलाचियन पर्वतों में बड़े हुए। वे विवाहित हैं और उनके चार बच्चे हैं। बचपन में वे *The Chronicles of Narnia* और *The Boxcar Children* जैसी प्रसिद्ध पुस्तकों से अत्यधिक प्रेरित हुए। यद्यपि वे देर से पढ़ना शुरू करने वाले पाठक थे, परंतु उन्होंने अपने प्रारंभिक वर्षों में अपने भाई-बहनों के साथ कल्पनाशील साहसिक खेलों में बहुत समय बिताया।

यह पुस्तक उन कहानियों से प्रेरित होकर बनी, जो वे अपने बच्चों को अपने पिछवाड़े में कूदते-फाँदते खरगोशों के बारे में सुनाया करते थे। धीरे-धीरे यही कल्पनाएँ "द ग्रीन एम्बर" श्रृंखला में परिवर्तित हो गईं।

यदि आप इस अद्भुत पुस्तक को पढ़ते हैं और आगे भी ऐसी ही रोमांचक कहानियाँ पढ़ना चाहते हैं, तो इस श्रृंखला की तीन और पुस्तकें आपका इंतज़ार कर रही हैं।

सबसे बढ़कर, द ग्रीन एम्बर हमें यह सिखाती है कि साहस, निष्ठा और आशा हमें जीवन की सबसे कठिन चुनौतियों से भी सफलतापूर्वक पार करा सकते हैं।

यदि आप इस अद्भुत पुस्तक को पढ़ते हैं और आगे भी ऐसी ही रोमांचक कहानियाँ पढ़ना चाहते हैं, तो इस श्रृंखला की तीन और पुस्तकें आपका इंतज़ार कर रही हैं।

सबसे बढ़कर, *द ग्रीन एम्बर* हमें यह सिखाती है कि साहस, निष्ठा और आशा हमें जीवन की सबसे कठिन चुनौतियों से भी सफलतापूर्वक पार करा सकते हैं।

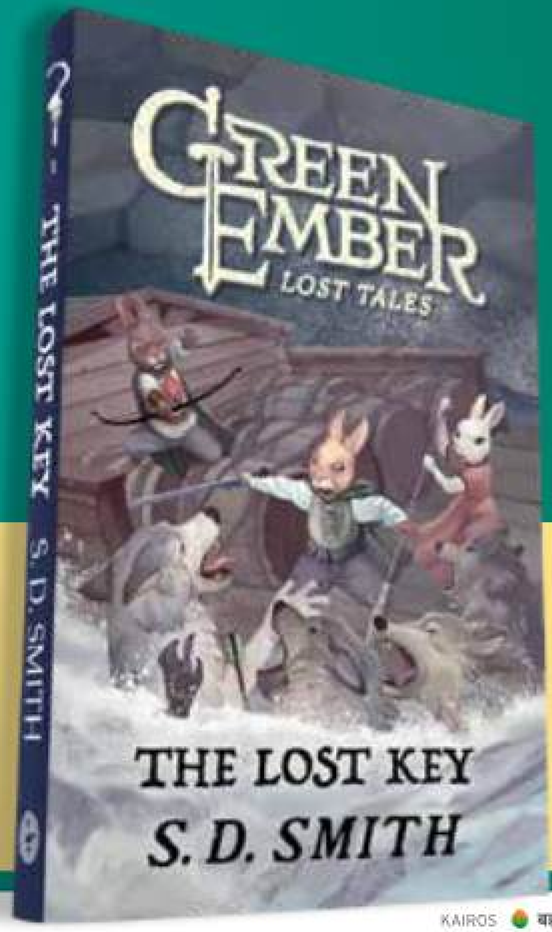

किड कैथोपीडिया

काथलिक विश्वकोश बच्चों के लिए

– मारिया टेरेस सेबास्टियन

धन्य घोषित करना

(Beatification)

लैटिन: beatification

अर्थ: धन्य बनाया जाना या अत्यंत आनंदित होना।

व्याख्या: बीयाटिफिकेशन का कलीसिया की एक विशेष और खुशी भरी घोषणा है, जिसमें बताया जाता है कि कोई व्यक्ति, जो अब इस दुनिया में नहीं है, उसने बहुत पवित्र जीवन जिया और वह निश्चित रूप से स्वर्ग में है। यह संत घोषित होने से पहले का एक महत्वपूर्ण चरण है। बीयाटिफिकेशन के बाद उस व्यक्ति को "धन्य" की उपाधि दी जाती है।

व्यक्तिगत अनुप्रयोग

धन्य घोषित किए गए लोगों ने "वीर गुण (Heroic Virtue)" दिखाए, यानी उन्होंने साधारण कामों को असाधारण प्रेम और भलाई के साथ किया, बिल्कुल येसु की तरह। आप भी आज ऐसा कर सकते हैं—जैसे किसी दोस्त को माफ करना, अपना खिलौना साझा करना, या अपने माता-पिता की मदद करना।

रोचक तथ्य

बीयाटिफिकेशन के लिए आमतौर पर कलीसिया को यह साबित करना होता है कि उस व्यक्ति की मृत्यु के बाद, उसकी प्रार्थना के कारण पृथ्वी पर एक चमत्कार (जैसे कोई ऐसी बीमारी का ठीक होना जिसे समझाया न जा सके) हुआ है।

केवल एक स्थिति में चमत्कार की आवश्यकता नहीं होती—जब वह व्यक्ति शहीद हो, यानी जिसने येसु से प्रेम के कारण अपने विश्वास को नहीं छोड़ा और अपने प्राण दे दिए।

शब्दों को सही क्रम में लगाइए

धन्य जनों और संतों ने स्वर्ग की राह पर जिन चार मसीही गुणों (अच्छी आदतों) का अभ्यास किया, उनके नाम नीचे उलझे हुए रूप में दिए गए हैं। इन्हें सही क्रम में लगाइए।

1. ETHICAYR : ☐☐☐☐☐☐☐☐
2. OYJ : ☐☐☐
3. NESDINKS : ☐☐☐☐☐☐☐☐
4. REPAYR : ☐☐☐☐☐☐

(उत्तर: 1) CHARITY (दान / परोपकार) 2) JOY (आनंद) 3) KINDNESS (दयालुता) 4) PRAYER (प्रार्थना)

पहेली

3 नाम बताइए

येसु के मित्र:
1. ....
2. ....
3. ....

प्रेरित:
1. ....
2. ....
3. ....

बाइबिल में बताए गए जानवर:
1. ....
2. ....
3. ....

पुराने नियम की पुस्तकें:
1. ....
2. ....
3. ....

"य" अक्षर से शुरू होने वाले संत:
1. ....
2. ....
3. ....

येसु के रिश्तेदार:
1. ....
2. ....
3. ....

बाइबिल में बताए गए खाने-पीने की वस्तुएं:
1. ....
2. ....
3. ....

येसु को दिए गए अलग-अलग नाम:
1. ....
2. ....
3. ....

पौलुस द्वारा लिखी गई पुस्तकें:
1. ....
2. ....
3. ....

वे स्थान जहाँ माता मरियम प्रकट हुईं:
1. ....
2. ....
3. ....

"य" अक्षर से शुरू होने वाले संत:
1. ....
2. ....
3. ....

वे संत जो पोप थे:
1. ....
2. ....
3. ....

मूसा द्वारा लिखी गई पुस्तकें:
1. ....
2. ....
3. ....

माता मरियम को दिए गए अलग-अलग नाम:
1. ....
2. ....
3. ....

वे संत जो बच्चे थे:
1. ....
2. ....
3. ....

असली या नकली? -भाग 2
जब उसके 'कूल' मित्र उसे पूरी तरह नज़रअंदाज़ कर देते हैं, तब अन्ना को कुछ गहरी सच्चाइयों का एहसास होता है।
जब उसके 'कूल' मित्र उसे पूरी तरह नज़रअंदाज़ कर देते हैं, तब अन्ना को कुछ गहरी सच्चाइयों का एहसास होता है।
टीना के पहले दिए गए निमंत्रण को याद करते हुए, अन्ना तेज़ी से उस कमरे की ओर दौड़ पड़ती है।
THUMP..
THUMP...
जब वह कमरे तक पहुँचती है, तब तक क्राफ्ट वर्कशॉप शुरू हो चुका होता है।
क्या यहाँ एक बड़ी बच्ची के लिए भी जगह है?
CRAFT WORKSHOP
हमेशा! कुछ सामान लो और चलो, कुछ सुंदर बनाते हैं!
GUM
अब अन्ना स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है... और मन से शांत है।

तुम कुछ अलग लग रही हो... अच्छे अर्थ में!
अब पहले वाली परेशानियाँ उसे विचलित नहीं करतीं।
चलो, इसे पूरा करते हैं।
BING...
BING...
अन्ना और बच्चे भरपूर आनंद लेते हैं!
SWITCH OFF
मैं अब किसका कृपापात्र बनने की कोशिश कर रहा हूँ - मनुष्यों का अथवा ईश्वर का ? क्या मैं मनुष्यों को प्रसन्न करना चाहता हूँ? यदि मैं अब तक मनुष्यों को प्रसन्न करना चाहता, तो मैं मसीह का सेवक नहीं होता। — गलातियों 1:10
मुझे अपने साथ शामिल करने के लिए धन्यवाद, टीना।
अरे, तुम भी मेरे लिए यही करती!
जारी रहेगा...
कहानी: अनीश सनी थॉमस
चित्रांकन: सनीश दिवाकरन

पेंतेकोस्त देखो और ढूंढो

ब्रेन जिम

क्या आप ढूंढ सकते हैं?

- तीन पक्षी
- दीवार पर एक चूहा
- एक बिल्ली का बच्चा
- एक कुत्ता
- भाले के साथ एक सिपाही
- दीवार के ऊपर से देखता हुआ एक जानवर
- एक कार्पेट जिस पर तारा बना हुआ है
- दीवार पर एक छिपकली
- सिक्के को पकड़ी हुई एक औरत

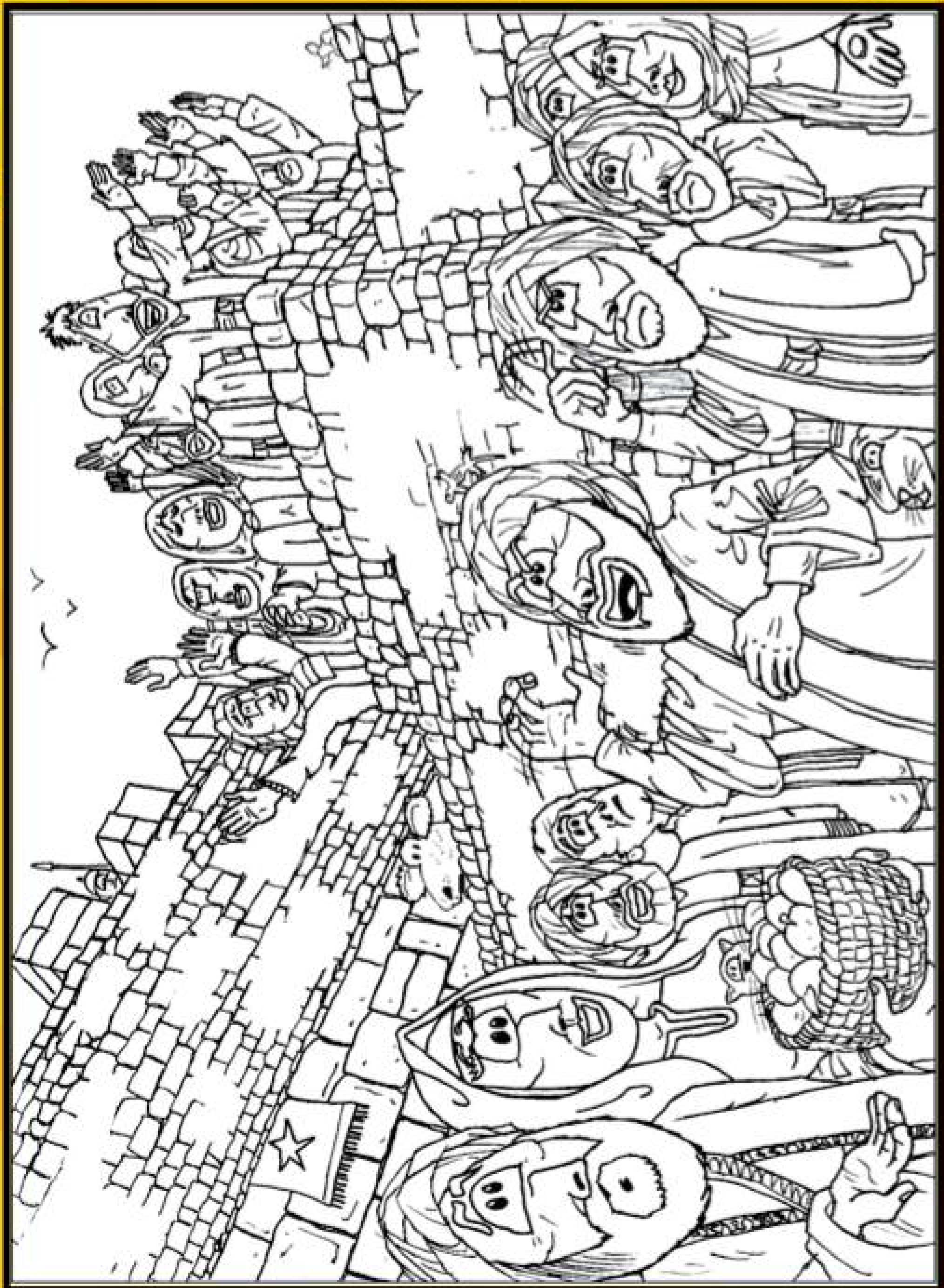

हॉली ह्यूमर

kairos MEDIA
एक उपहार
कायरोस बड्स की तरफ से
हर त्योहार
बच्चों के लिए जर्नल
के लिए!
JESUS & ME
NAME
खरीदने के लिए स्कैन करें